फाल्गुन की पूर्णिमा पर कंडे-लकड़ी की अग्नि में भस्म होगी नकारात्मकता
गोबर के कंडों की सुगंध और लकड़ी की अग्नि...पारंपरिक तरीके से होगी होलिका दहन

एक नजर में

विजयमारूति हनुमान मंदिर पर होलिका दहन की तैयारी

इंदौर . नवरत्न बाग स्थित श्री विजय मारुति हनुमान मन्दिर में 3 मार्च को होलिका दहन होगा. होली दहन के पूर्व आज होली डंडा की स्थापना कलेक्टर शिवम वर्मा की विशेष उपस्थिति में अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य और महंत मंगलदास महाराज खाकी ने की. महाराज खाकी ने बताया कि ग्रहण और भद्रा की वजह से 4 मार्च को धुलेंडी खेली जायेगी.

स्थापना दिवस पर आज व कल विभिन्न आयोजन

इंदौर . देश के सबसे स्वच्छ शहर के अलंकरण से 8 बार विभूषित हो चुके और स्मार्ट सिटी की दिशा में तेजी से बढ़ रहे इंदौर नगर का 310वां स्थापना दिवस 2 एवं 3 मार्च को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा. इस दौरान पहले दिन सोमवार को दौलतगंज एवं चंपाबाग स्थित इंदौर के प्रथम शासक राव राजा नन्दलाल मंडलोई एवं अन्य शासकों की छत्रियों का पूजन तथा 3 मार्च की शाम को बड़ा रावला जूनी इंदौर पर रंगारंग आतिशबाजी की जाएगी. इंदौर स्थापना दिवस समारोह समिति के प्रमुख एवं राव राजा नन्दलाल मंडलोई के वंशज युवराज वरदराज मंडलोई ने बताया कि दो दिवसीय इस महोत्सव में सोमवार 2 मार्च को सुबह 9 बजे शहर के प्रथम शासक राव राजा राव नंदलाल मंडलोई की दौलतगंज एवं चंपाबाग स्थित छत्रियों पर परिजनों एवं स्नेहीजनों द्वारा पूजन, गणेशजी एवं गादी पूजन तथा शाम को होलिका दहन के आयोजन होंगे .3 मार्च को मुख्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जूनी इंदौर बड़ा रावला स्थित पैलेस भवन पर शाम 7 बजे रंगारंग आतिशबाजी भी होगी.

अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति का फाग महोत्सव 8 को

इंदौर . अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति का भव्य फाग महोत्सव 8 मार्च को बायपास स्थित संपत पैलेस गार्डन पर शाम 6 बजे से संजोया जाएगा. वृन्दावन की प्रख्यात कलाकार और अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त रंगमंच कलाकार वन्दनाश्री एवं उनकी टीम के 32 महिला-पुरुष कलाकार वृन्दावन के रास बैंड के साथ इस अवसर पर अपनी मनोहारी प्रस्तुतियां देंगे. सुश्री वन्दना को ब्रजरत्न अलंकरण भी मिल चुका है. समिति के प्रमुख संरक्षक विनोद अग्रवाल, अध्यक्ष प्रेमचंद गोयल एवं संयोजक जगदीश बाबाश्री तथा गणेश गोयल ने बताया कि आयोजन में समाज के 120 से अधिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी शामिल होंगे। महोत्सव की दिव्यता को देखते हुए विभिन्न व्यवस्था समितियों का गठन किया गया है जिनमें बैठक एवं साज सज्जा व्यवस्था के लिए किशोर गोयल एवं संजय बांकडा, निमंत्रण व्यवस्था के लिए संतोष गोयल एवं राम एरन, मंच संचालन के लिए गणेश गोयल, कुलभूषण मित्तल कुक्की एवं गोविन्द सिंघल, भोजन व्यवस्था के लिए अरविन्द बागड़ी एवं राजेश बंसल, अतिथि व्यवस्था के लिए विष्णु बिंदल एवं पीडी अग्रवाल मधु को जिम्मेदारियां सौंपी गई है. उक्त निर्णय केन्द्रीय समिति की रविवार को सम्पन्न हुई बैठक में लिया गया जिसमें प्रमुख पदाधिकारियों के साथ उपाध्यक्ष टीकमचंद गर्ग एवं रमेश मित्तल मेडीकैप्स, महामंत्री पवन सिंघानिया मोयरा एवं कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल भी उपस्थित थे.

सुप्रीम ग्रुप सेवा वर्ष मनाएगा, नए अध्यक्ष की घोषणा

इंदौर . जैन श्वेताम्बर सोाल ग्रुप सुप्रीम की रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मासिक मीटिंग गोम्मटगिरि के पीछे ओम साई राम रिसोर्ट पर संपन्न हुई. ग्रुप अध्यक्ष विनोद डॉली पटवा ने सभी सदस्यों का स्वागत किया. ब्लेक एंड व्हाइट कलर थीम पर प्रेम है तो खुशियां है स्लोगन पर मनोरंजन गेम्स खिलाएं गए. गुलाब के फूलों संग दंपति सदस्यों ने कॉमेडी डांस किये. हर कपल ने बढ़ चढ़ कर कार्यक्रम में हिस्सा लिया. निवृर्तमान अध्यक्ष मनोज मलका डंक, ललित बम्बोरी, सुनील तांतेड़, कल्पना पटवा ने ग्रुप के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी. संस्थापक अध्यक्ष प्रकाश भटेवरा ने कहा कि 2026 का वर्ष सेवा वर्ष के रूप में मनाने का सुझाव दिया पश्चात अध्यक्ष विनोद पटवा ने घोषणा की और कहा कि हम पूरे वर्ष सेवा गतिविधिया करेंगे. अध्यक्ष विनोद पटवा ने आगे कहा कि नई टीम का शपथ ग्रहण समारोह 12 अप्रेल को किया जाएगा. मीटिंग के संयोजक अमित मेघा बडोला, ज्योति हेमंत तर्वेचा, अंकुर तनु नलवाया ने सभी की गेम्स खिलाये ओर मीटिंग का संचालन किया. सभी विजेताओं की पुरुस्कार प्रदान किये गए. आभार कमल जैन ने व्यक्त किया.

बहुपक्षवाद और जलवायु कार्रवाई पर जोर

इंदौर . द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) द्वारा आयोजित वर्ल्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट (डब्ल्यूएसडीएस) 2026 के 25वें संस्करण के दूसरे दिन, स्थिरता को लेकर वैश्विक चर्चा को और आगे बढ़ाया गया. इसमें नेचर-पॉज़िटिव विकास, हरित औद्योगिक बदलाव, भविष्य की तकनीकों और बहुपक्षीय सहयोग को फिर से मज़बूत करने पर ज़ोर दिया गया. एक उच्च-स्तरीय पूर्ण सत्र के दौरान, केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा पिछले एक दशक में, मौजूदा सरकार के नेतृत्व में भारत के समुद्री क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है. यह बदलाव सिर्फ क्षमता बढ़ाने और काम में तेज़ी लाने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब यह टिकाऊ रणनीति की ओर बढ़ चुका है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' के विज़न से प्रेरित होकर, आज समुद्री प्रशासन में हरित विकास को आर्थिक प्रगति के केंद्र में रखा गया है. भारत अपने बंदरगाहों पर नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने, कार्बन न्यूट्रैलिटी, ग्रीन शिपिंग कॉरिडोर और बड़े स्तर पर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसे संस्थागत सुधारों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों का पूरा समर्थन हासिल है. दिनभर के सत्रों में स्टार्टअप नवाचार, हरित और लचीले निर्माण परिवेश, सार्वजनिक खरीद के जरिए ग्रीन स्टील की मांग तैयार करना, और जलवायु कार्रवाई, जैव विविधता संरक्षण तथा भूमि बहाली के मोर्चे पर महिलाओं की अहम भूमिका जैसे मुद्दों पर भी जोर दिया गया.

टेरी की वर्ल्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट का समापन

इंदौर . द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) द्वारा आयोजित वर्ल्ड सस्टेनेबल डेवलपमेंट समिट (डब्ल्यूएसडीएस) 2026 का आखिरी दिन गहरे चिंतन और नए संकल्प के साथ शक्तिशाली स्वर में संपन्न हुआ. प्लिलेक्शंस, रिसर्जेंस एंड रिजॉल्व फॉर अवर कॉमन फ्यूचर शीर्षक वाले समापन सत्र में सरकार, बहुपक्षीय संस्थानों, उद्योग और सिविल सोसाइटी के दिग्गज नेताओं ने हिस्सा लिया. प्रतिष्ठित दरबार हॉल में आयोजित इस सत्र ने साबित किया कि आयोजन केवल वैश्विक आवाज़ों को जोड़ने वाला मंच ही नहीं है, बल्कि यह ज़मीनी स्तर पर ठोस जलवायु कार्रवाई को गति देने वाला माध्यम भी है. समापन सत्र में वक्ताओं के एक प्रतिष्ठित पैनल ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जलवायु कार्रवाई का अगला चरण जवाबदेही, क्रियान्वयन और विभिन्न पीढ़ियों के साझा नेतृत्व से तय होगा. टेरी के चेयरमैन, नितिन देसाई ने कहा, डब्ल्यूएसडीएस में हम यह दोहराते हैं कि सतत विकास सिर्फ एक समान लक्ष्यों के भरोसे आगे नहीं बढ़ सकता. सरकारें अकेले काम नहीं कर सकतीं; असली प्रगति तब होती है जब संस्थान, शोधकर्ता, उद्योग और ज़मीन पर काम कर रहे समुदाय एक-दूसरे से सीखते हैं. टेरी की महानिदेशक, डॉ. विभा धवन ने कहा डब्ल्यूएसडीएस सिर्फ संकट का जवाब देने के लिए नहीं, बल्कि अवसरों के नए रास्ते बनाने का मंच है. डब्ल्यूएसडीएस की क्यूरेटर और टेरी की निदेशक, डॉ. शैली केडिया ने बताया इस साल हमने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए—2,381 अलग-अलग प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, 10 मुख्य सत्र और 14 थीमैटिक ट्रैक आयोजित हुए.

कहीं कंडों से, कहीं लकड़ी से सजी होलिका, आज होगा दहन

इन्दौर. शहर में होली उत्सव को लेकर उत्साह चरम पर है. विभिन्न मोहल्लों, कॉलोनियों और प्रमुख चौराहों पर होलिका दहन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. कहीं गोबर के कंडों से होलिका सजाई गई है तो कहीं परंपरागत रूप से लकड़ी और उपलों से विशाल होलिका का निर्माण किया गया है. बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है.बाजारों में पूजन सामग्री, रंग-गुलाल, पिचकारी, लकड़ी और कंडों की खरीदारी तेज रही. सामाजिक संगठनों और नागरिक समितियों ने लोगों से शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील की है.

राजवाड़ा की होली: परंपरा का प्रतीक: शहर की ऐतिहासिक और परंपरागत होली पूजन का केंद्र राजवाड़ा रहेगा. यहां वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार विधि-विधान से होलिका पूजन किया जाता है. बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस आयोजन में शामिल होते हैं. राजवाड़ा की होली को शहर की सांस्कृतिक पहचान माना जाता है और यहां से उत्सव की औपचारिक शुरुआत मानी जाती है.

प्रदोषकाल में होगा होलिका दहन: खजराना गणेश मंदिर के पुजारी सतपाल महराज ने बताया धर्मशास्त्रीय मान्यता के अनुसार होलिका दहन रात्रिकालीन कर्म है और इसे प्रदोषव्यापिनी तिथि में करना शास्त्रसम्मत माना गया है. 2 मार्च को शाम 6.28 से 8.52 बजे तक प्रदोषकाल में होलिका दहन किया जाएगा.

चंद्रग्रहण के कारण बदला रंगोत्सव का दिन

3 मार्च को फाल्गुन पूर्णिमा पर चंद्रग्रहण रहेगा. पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार ग्रहण के दिन शुभ और मांगलिक कार्यों से परहेज किया जाता है, इसलिए रंग-गुलाल का उत्सव 4 मार्च को मनाया जाएगा.

3 मार्च- चंद्रग्रहण का समय
सूतक प्रारंभ- सुबह 6.30 बजे
विरल छाया प्रवेश- दोपहर 2.14 बजे
ग्रहण मोक्ष- शाम 6.48 बजे
चंद्रोदय- लगभग 6.30 बजे
यह ग्रस्तोदय स्वरूप का चंद्रग्रहण रहेगा। भारत में इसका दृश्य प्रभाव सीमित होगा, किंतु पारंपरिक दृष्टि से जप, दान और साधना के लिए इसे श्रेष्ठ समय माना गया है। (समय पंचांग और स्थान भेद से परिवर्तनशील हो सकता है।)

मंदिरों में विशेष व्यवस्था

खजराना गणेश मंदिर के पुजारी सतपाल महाराज के अनुसार ग्रहण के दौरान मंदिर के पट सुबह 6.30 बजे बंद कर दिए जाएंगे और ग्रहण मोक्ष के बाद पुन: दर्शन शुरू होंगे.

परंपरा निभाने उमड़ी भीड़

होली पर गाय के गोबर से बनी माला: जिसे स्थानीय बोली में 'ओला' या 'गुलगुल' कहा जाता है- होलिका में अर्पित करने की परंपरा है. शहर में गोबर की सीमित उपलब्धता के कारण ग्रामीण क्षेत्रों से व्यापारी विशेष रूप से यह सामग्री लेकर पहुंचे हैं.

गोबर का विशेष महत्व: इंदौर के विजय जगताप ने बताया कि सनातन परंपरा में गोबर का विशेष महत्व है. होली पर गोबर के कंडे और विभिन्न आकृतियों की मालाएं अर्पित की जाती हैं. शहर में गायों को खुले में रखने पर प्रतिबंध और गौशालाओं में व्यवस्थापन के कारण यह सामग्री आसानी से नहीं मिल पाती, इसलिए ग्रामीण व्यापारियों से खरीदनी पड़ती है.

गांव से आते हैं शहर में बेचने: देपालपुर के पास नेवरी चाकोड़ा से आए करण सोलंकी ने बताया कि वे खेती और दुग्ध व्यवसाय से जुड़े हैं, लेकिन होली के अवसर पर गोबर से बनी पारंपरिक मालाएं और कंडे शहर में बेचने आते हैं. इससे जहां परंपरा जीवित रहती है, वहीं ग्रामीणों को अतिरिक्त आय भी मिल जाती है. उन्होंने कहा कि वे नाम मात्र लाभ लेकर सामग्री उपलब्ध कराते हैं, ताकि लोगों की आस्था भी बनी रहे और उन्हें सुविधा भी मिले.

2 जिलों में राज्य पात्रता परीक्षा आयोजित

- 390 केंद्रों पर 1.46 लाख अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा
- इंदौर में 100 केंद्रों पर 38 हजार परीक्षार्थी हुए शामिल

इंदौर. राज्य पात्रता परीक्षा आज प्रदेशभर में शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई. परीक्षा का आयोजन 12 जिलों में कुल 390 परीक्षा केंद्रों पर किया गया, जिसमें लगभग 1 लाख 46 हजार अभ्यर्थी शामिल हुए.

प्रशासन की ओर से सभी केंद्रों पर सुरक्षा और व्यवस्थाओं के व्यापक इंतजाम किए गए थे. परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए प्रवेश से पहले पहचान पत्र की जांच, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और समयबद्ध प्रवेश सुनिश्चित किया गया. इंदौर में सबसे अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए. यहां 100 केंद्रों पर लगभग 38 हजार अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी. सुबह से ही परीक्षा केंद्रों के बाहर परीक्षार्थियों की भीड़ देखी गई. अधिकारियों के अनुसार परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई. अब अभ्यर्थियों को परिणाम का इंतजार रहेगा, जिसे जल्द घोषित किए जाने की संभावना है.

सिंगल यूज प्लॉस्टिक बंद करने महिलाओं का साड़ी वाकेथान

- महापौर ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
- इंदौर के स्वच्छता अभियान में महिलाओं की विशेष भूमिका : महापौर

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज शहर की सफाईकर्मी और महिलाओं ने सिंगल यूज प्लास्टिक को पूर्ण रूप से बंद करने के लिए साड़ी वाकेथॉन किया. साड़ी वाकेथॉन को महापौर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. वाकेथॉन नेहरू स्टेडियम से डेली कॉलेज से वापस स्टेडियम पहुंची. खास बात यह है कि महापौर ने महिलाओं को प्लास्टिक बंद और कपड़े के झोले उपयोग करने की शपथ दिलाई.

नगर निगम द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को पूर्णत: बंद करने के लिए विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. आज विश्व महिला दिवस के मौके पर नेहरू स्टेडियम से साड़ी वाकेथान किया गया. इस दौरान महिलाओं ने स्वच्छ इंदौर, प्लास्टिक मुक्त इंदौर तथा को अपनाने की शपथ दिलाई गई. नेहरू स्टेडियम से शुरू होकर साड़ी वाकेथान डेली कॉलेज होते हुए पुन: नेहरू स्टेडियम पहुंची.

पर्यावरण संरक्षण के संदेशों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया. नगर निगम, एवं दी वर्ल्ड ऑफ फिटनेस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित वालेथान में 500 से ज्यादा महिलाओं ने भाग लिया. कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर पुष्यमित्र भार्गव, स्वास्थ्य प्रभारी अश्विनी शुक्ल एवं अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने किया. इस अवसर पर महापौर द्वारा उपस्थित महिलाओं को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा दैनिक जीवन में कपड़े के झोले

घर के साथ गली भी रखती हैं स्वच्छ

महापौर ने कहा कि देश के दूसरे शहरों में लोग पूछते हैं कि इंदौर स्वच्छता में लगातार सिरमौर कैसे बना हुआ है. इसका उत्तर होता है जनभागीदारी, टीमवर्क और नागरिकों विशेषकर जागरूक महिलाओं के सहयोग से. उन्होंने कहा कि इंदौर की महिलाएं अपने घरों के साथ-साथ अपनी गलियों की स्वच्छता का भी ध्यान रखती हैं. वे गीले और सूखे कचरे को पृथक कर निगम के कचरा संग्रहण वाहनों को देती हैं. यही कारण है कि सुबह से शुरू होने वाली स्वच्छता रात तक सतत चलती रहती है.

खेली लट्ठमार होली, लिया पानी बचाने का संकल्प

- नंदानगर अग्रवाल सांस्कृतिक मंच का फाग महोत्व

इंदौर. अग्रवाल सांस्कृतिक मंच नंदानगर की मेजबानी में परदेशीपुरा स्थित शिव धाम मंदिर पर रंगारंग फाग महोत्सव का दिव्य आयोजन किया गया जिसमें फूलों की होली और डफली पर राधा कृष्ण का डांस आकर्षण के केंद्र बने रहे.

मंच के अजय मित्तल, सोनू अग्रवाल एवं संजय अग्रवाल ने बताया कि इस अवसर पर बरसाने की लट्ठमार होली भी खेली गई जिसमें बड़ी संख्या में मंच से जुड़े युगल शामिल हुए. इस अवसर पर अश्विन गोयल, सत्यप्रकाश अग्रवाल काका, रितेश गोयल, राकेश अग्रवाल, शरद अग्रवाल, अरुण गोयल, विशाल अग्रवाल, वीरेन्द्र अग्रवाल एवं पीयूष अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने ग्रीष्म काल में पानी की बचत करने और अपने-अपने घर आँगन में परिंदों के लिए दाना-पानी के लिए सकोरे रखने का संकल्प लिया. संस्था के समन्वयक गणेश गोयल एवं विजय मित्तल ने मंच के सामाजिक सरोकार की सराहना करते हुए सभी समाज बंधुओं को होली एवं रंगपंचमी की शुभकामनाएं व्यक्त की. ठंडाई वितरण एवं स्नेह भोज के बीच फाग महोत्सव का सौल्लास समापन हुआ.

शर्मा और भार्गव का किया सम्मान

इंदौर. इंदौर फिलेटेलिक एवं इंदौर न्यू मिस्मेटिक सोसाइटी की संयुक्त मासिक सभा रविवार को रीगल तिराहा स्थित इंडियन कॉफी हाउस पर जीपीओ की फिलेटेलिक प्रमुख रही आशा राव के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई. उन्होंने इंडफील-ई मैगज़ीन तथा न्यू मिस्मेटिक कॉइन क्रानिकल के मार्च अंकों का लोकार्पण भी किया जिसका संपादन इंजी. चिराग त्रिवेदी ने किया है.

बैठक में विशेष रूप से इंदौर मनी मेला-09 के सफल आयोजन के लिए गिरीश शर्मा आदित्य एवं विराज भार्गव को विशेष रूप से सम्मानित किया गया. प्रारंभ में नरेन्द्र अग्रवाल ने सभा शुरू करने की घोषणा की. स्वास्थ्य प्रार्थना प्रो. शिवम चतुर्वेदी ने की और स्वागत उद्बोधन सुरेन्द्र मूल्ये ने दिया. इस अवसर पर रवीन्द्र कुमार व्यास ने विदेशी पेपर मुद्रा का प्रदर्शन कर उसकी दिलचस्प जानकारी भी प्रदान की. अध्यक्ष रवीन्द्र नारायण पहलवान, मेजर महेश कुमार गुप्ता ने सदस्यों को उपहार भेंट किए. सुरेन्द्र मूल्ये ने बाजार पोस्टकार्ड एवं फिलेटेलिक एक्जीबिट का प्रदर्शन कर अपने विचार रखे. सभा में मुकेश पाटीदार, राजेश शाह सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे. संचालन कार्यकारी अध्यक्ष राजेश शाह ने किया. आभार माना चिराग त्रिवेदी ने.

फेयरवेल नए जीवन की शुरूआत का उत्सव

इंदौर. वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज में बी.कॉम, बी.कॉम ऑनर्स, बी.ए. एवं एम.कॉम अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए फेयरवेल कार्यक्रम मधुर स्मृति-2026 का आयोजन किया गया.

इस अवसर पर वैष्णव ट्रस्ट के अध्यक्ष पुरुषोत्तमदास पसारी, अरविंद गुप्ता, सचिव महेश चिमनानी एवं पुलिस अधीक्षक श्री मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे. अरविंद जी गुप्ता ने कहा कि जीवन में सफलता केवल डिग्री प्राप्त करने से नहीं, बल्कि अनुशासन, निरंतर परिश्रम और नैतिक मूल्यों को आत्मसात करने से मिलती है. सचिव महेश चिमनानी ने कहा कि फेयरवेल केवल विदाई नहीं, बल्कि नए जीवन की शुरुआत का उत्सव है. उन्होंने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, ईमानदारी एवं सतत सीखने की भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी. कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वातावरण को उल्लास से भर दिया. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने स्वागत भाषण दिया. मधुर स्मृति- पलों की तिजोरी पुस्तक का भी विमोचन किया गया. संचालन डॉ. अनिल शर्मा द्वारा किया गया. प्रो. विभोर ऐरन ने आभार माना.कार्यक्रम समन्वयक प्रो. विभोर ऐरन, डॉ. राकेश उपाध्याय एवं डॉ. वंदना मिश्र रहे.

एक नजर में पद्मावती वेंकटेश देवस्थान पर फाग उत्सव मना, आज रंग बरस रहा, आज बिरज में होली रे रसिया

आयो फागुणीयो त्योहार कान्हा होली खेलां...

इंदौर. आज बिरज में होली रे रसिया, होलिया में उड़े रे गुलाल डालो जी रंग केसरिया, आयो फागणियो त्योहार कान्हा होली खेला रे जैसे फागुन के मस्ती भरे भजनों की धुन लगाते भजन सम्राट हरिकिशन साबू भोपू जी और केसरिया रंग एवं फूलों कि बौछार के बीच नृत्य करते श्रद्धालु पद्मावती वेंकटेश देवस्थान विद्या पैलेस कॉलोनी पर आयोजित फाग उत्सव में आनंद उठा रहे थे. स्वामी केशवाचार्य महाराज की पावन प्रेरणा से हुए इस रंगोत्सव पर श्रद्धालुओं ने जमकर फूलों की होली खेली.

मंदिर समिति के मनोहर सोनी, हरिकिशन साबू, दिनेश अग्रवाल एवं नितिन तापड़िया ने बताया कि भोपू जी के भजनों की धुन की शुरुआत होते ही बसंती फागुन की बयार बहने लगी और और बसंती फागुन के भजनों पर श्रद्धालु इस बयार में मस्त होकर नाचने लगे. भगवान वेंकटेश बालाजी का रंग बिरंगा श्रृंगार लाल पीले फूलों से किया गया और केसर एवं टेसू से बने रंगों का उपयोग कर बालाजी संग होली भक्तों के द्वारा खेली गई.

देर रात तक भजनों पर झूमे श्रद्धालु

स्वामी केशवाचार्य महाराज की पावन प्रेरणा से आयोजित इस फाग महोत्सव में श्रद्धालु देर रात तक भजनों के रंगों में सरोबार होते रहे. इस अवसर पर भगवानदास हेड़ा, मोहित कश्यप ,प्रदीप साबू, अनुराग तिवारी, राजेंद्र मंत्री, दिनेश शारदा ,विक्की साबू, सरलाहेड़ा, पदमा सोनी रामहुरकट आदि मौजूद थे. भजन समाप्ति के पश्चात भगवान वेंकटेश बालाजी की आरती हुई एवं गोष्टी प्रसाद का भी वितरण किया गया.